ABSTRACT

Understanding Nature Of Discrimination Through The Voices Of The Marginalized: A Study With Reference To Children with Special Needs

The present study deals with children with special needs. This study attempts to understand the nature of discrimination in their experiences of schooling. Most of the studies in the context of children with special needs are focused on the facilities and educational processes available at the school level, which include equal opportunities, experience of inequalities, quality education, etc. The present study is based on those processes in the school and classroom in this context, in which children with special needs live a variety of experiences on a day-to-day basis and those experiences go unnoticed by other educationists and researchers. Under these experiences, children form their personality by connecting with teachers and other school people and construct meanings related to education. Understanding the educational experiences of children with special needs is actually a comprehensive analysis of the entire process of education and education system, including access to education, quality, equity and other similar components that are contained within them. Therefore, the experiences of the students in schools become important.

In this way, the researcher has tried to understand the experiences and thoughts of the participants i.e. students, teachers and parents involved in understanding the school and school processes. So that the provision of equal educational opportunities for children with special needs can be understood through their own experiences. Through research, an attempt has been made to highlight the experiences of children with special needs that they get in an inclusive education system. The researcher has attempted to analyze the various agencies, processes, facilities in the school system that influence the

education of children with special needs as well as shape their experiences. In this way, the researcher has tried to understand the various problems related to schooling of children with different categories of special needs and the behaviors received, which give basis to the personality of the students.

In this context, the present research study has been done in four government schools of Delhi, the capital of India, in which children with different categories of special needs are studying. This study has been done at a time when free and compulsory education, quality education is a matter of concern for policy makers. This study also assumes importance because it explores the school life of children with special needs through their struggles, problems, identities and experiences. Their feelings, feelings and experiences have been included under this study.

In order to find answers to research questions, the present study has been done under descriptive research, in which survey method has been used to achieve the objective. Self-made schedules, observation tables, questionnaires have been used for the collection of data for research. Apart from this, views have been taken by the researcher from children with special needs, parents, teachers through unstructured interviews. Triangulation method has been used to analyze and interpret the data.

The present study tries to understand the realities which are lived by special children in different experiences of everyday life, but untouched by the analysis of information. This study will help various researchers, school management, teachers and students to understand the ground realities of school life for children with special needs.

सारांश

अन्डस्टेंडिंग नैचर ओफ़ डीस्क्रेमीनेशन थ्रू द वाईसिस ओफ़ द मार्जिनलाइज्ड:

ए स्टडी वीद रेफ़रेन्स टू चिल्ड्रेन वीद स्पेशल निड्स

प्रस्तुत अध्ययन विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों से संबंधित हैं। यह अध्ययन उनके विद्यालयी शिक्षा से जुड़े अनुभवों में विभेदीकरण के स्वरूप को समझने का प्रयास करता हैं। विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के संदर्भ में होने वाले अधिकतर अध्ययनों का ध्यान विद्यालयी स्तर पर उपलब्ध सुविधाओं तथा शैक्षिक प्रक्रियाओं की ओर रहता है, जिसमें समान अवसर, असमानताओं के अनुभव, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा इत्यादि सम्मिलित रहते हैं। प्रस्तुत अध्ययन इसी संदर्भ में विद्यालयी तथा कक्षा कक्ष की उन प्रक्रियाओं पर आधारित हैं, जिसमें विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे दिन-प्रतिदिन विविध अनुभवों को जीते हैं और उन अनुभवों की ओर अन्य शिक्षाशास्त्रियों और शोधकर्त्ताओं का ध्यान नहीं जाता। इन अनुभवों के अंतर्गत बच्चे शिक्षकों तथा अन्य विद्यालयी व्यक्तियों से जुड़कर अपने व्यक्तित्त्व का निर्माण करते हैं एंव शिक्षा सम्बंधी अर्थों को गढ़ते हैं। विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के शैक्षिक अनुभवों को समझना वास्तव में शिक्षा एंव शिक्षा व्यवस्था की संपूर्ण प्रक्रियाओं का वृहत विश्लेषण होता हैं, जिसमें शिक्षा तक पहुँच, गुणवत्ता, समता एंव इसी प्रकार के अन्य अवयव जो इनके अंतर्गत निहित होते हैं, उनको समझना होता हैं। अतः विद्यालय में विद्यार्थियों के अनुभव महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।

इस प्रकार शोधकर्त्ता ने विद्यालय तथा विद्यालयी प्रक्रियाओं को समझने में सम्मिलित प्रतिभागियों को अर्थात विद्यार्थी, शिक्षक तथा अभिभावकों के अनुभवों व विचारों को समझने का प्रयास किया हैं। जिससे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए कि जा रही समान शैक्षिक अवसरों की व्यवस्था को स्वंय उनके अनुभवों के माध्यम से समझा जा सके। शोध के माध्यम से

विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को मिले उन अनुभवों को उजागर करने का प्रयास किया गया हैं जो उन्हें समावेशी शिक्षा व्यवस्था में प्राप्त होते हैं। शोधकर्त्ता ने विद्यालयी व्यवस्था की विभिन्न एजेंसियों, प्रक्रियाओं, सुविधाओं का विश्लेषण करने का प्रयास किया हैं जो विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की शिक्षा को प्रभावित करने के साथ साथ उनके अनुभवों को आकार देती हैं। इस प्रकार शोधकर्त्ता ने विविध श्रेणियों के विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की विद्यालयी शिक्षा से जुड़ी विविध समस्याओं और प्राप्त व्यवहारों को समझने का प्रयास किया हैं, जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्त्व को आधार देती हैं।

इस संदर्भ में प्रस्तुत शोध अध्ययन भारत की राजधानी दिल्ली के चार सरकारी विद्यालयों में किया गया हैं, जिनमें विविध श्रेणियों के विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे अध्ययनरत्त हैं। यह अध्ययन एक ऐसे समय में किया गया हैं जब निःशुल्क एंव अनिवार्य शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नीति निर्माताओं की चिन्ता का विषय हैं। यह अध्ययन इसलिए भी महत्त्वपूर्ण हो जाता हैं क्योंकि यह विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के विद्यालय से सम्बंधित जीवन को उनके संघर्षों, समस्याओं, पहचान व अनुभवों के माध्यम से उजागर करता हैं। इस अध्ययन के तहत उनकी भावनाओं, अनुभूतियों एंव अनुभवों को सम्मिलित किया गया हैं।

शोध प्रश्नो के उत्तर ढूँढ्ने के लिए प्रस्तुत अध्ययन को विवरणात्मक शोध के अंतर्गत किया गया हैं, जिसमें उद्देश्य प्राप्ति हेतु सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया हैं। शोध हेतु स्वनिर्मित अनुसुची, अवलोकन सारणी, प्रश्नावलीयो का प्रयोग आकडो के एकत्रीकरण हेतु किया गया है। इसके अतिरिक्त शोधकर्त्ता द्वारा असंरचित साक्षात्कार के माध्यम से विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों से उनके विचारो को लिया गया है। आकडो का विश्लेषण तथा व्याख्या करने हेतु त्रिकोणीयकरण पध्दति को प्रयोग मे लाया गया है।

प्रस्तुत अध्ययन उन वास्तविकताओं को समझने का प्रयास करता हैं जो प्रतिदिन जीवन के विभिन्न अनुभवों में विशेष बच्चों द्वारा जी जाती हैं, परन्तु सुचनाओं के विश्लेषण से अछूती हैं।

यह अध्ययन विभिन्न शोधकर्त्ताओं, विद्यालय प्रबंधकों, अध्यापकों, विद्यार्थियों को उन व्यवहारों को समझने में मदद करेगा जो विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए विद्यालयी जीवन की जमीनी वास्तविकताएँ हैं।